भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2424
(जिसका उत्तर सोमवार, दिनांक 03 अगस्त, 2026/12 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है)

भारत के विदेशी विनिमय भंडार पर वर्तमान वैश्विक संघर्ष का प्रभाव

2424. श्री सुनील बोस:
श्री मनोज कुमारः

क्या *वित्त* मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या सरकार ने भारत के विदेशी विनिमय भंडार पर वर्तमान वैश्विक संघर्ष के प्रभाव का आकलन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) जनवरी 2025 से अब तक भारत के कुल विदेशी विनिमय भंडार का माह-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले पाँच वर्षों के दौरान रुपये को स्थिर करने के लिए विदेशी विनिमय बाजार में हस्तक्षेप किया है और यदि हाँ, तो ऐसे हस्तक्षेपों और इसके लिए उपयोग किए गए विदेशी विनिमय भंडार का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा लगातार बनी हुई वैश्विक अनिश्चितता के बीच रुपये को स्थिर करने और भारत की विदेशी विनिमय स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए क्या सुधारात्मक उपाय किए जाने हैं?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री
(श्री पंकज चौधरी)

(क) सरकार वैश्विक अर्थव्यवस्था में घटनक्रमों और भारत के बाह्य क्षेत्र के लिए उनके प्रभावों की निरंतर निगरानी करती है। देश के बाह्य क्षेत्र को पर्याप्त आरक्षित बफर द्वारा सहायता दी जा रही है। दिनांक 10 जुलाई, 2026 तक, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 675.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो आरक्षित पर्याप्तता के मानक मैट्रिक्स के संदर्भ में पर्याप्त है, जिसमें वस्तुओं के 10.3 महीने का आयात कवर प्रदान करना और मार्च 2026 के अंत तक देश के विदेशी ऋण बकाया के 88.5 प्रतिशत को कवर करना शामिल है।

(ख) - (घ) जनवरी 2025 से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार की माह-वार स्थिति निम्नवत है:

माह	**विदेशी मुद्रा भंडार (मिलियन अमेरिकी डॉलर)**
जनवरी 2025	6,30,607
फ़रवरी 2025	6,38,698
मार्च 2025	6,68,326
अप्रैल 2025	6,88,428
मई 2025	6,91,309
जून 2025	6,98,118
जुलाई 2025	6,90,109
अगस्त 2025	6,95,358
सितंबर 2025	7,00,089
अक्टूबर 2025	6,89,733
नवंबर 2025	6,87,930
दिसंबर 2025	6,87,734
जनवरी 2026	7,11,548
फ़रवरी 2026	7,28,494
मार्च 2026	6,91,108
अप्रैल 2026	6,90,693
मई 2026	6,86,348
जून 2026	6,68,591
स्रोत: आरबीआई	

भारतीय रुपये (आईएनआर) का मूल्य बाजार-निर्धारित है, जिसमें कोई लक्ष्य या विशिष्ट स्तर या बैंड नहीं है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नियमित रूप से विदेशी मुद्रा बाजार की निगरानी करता है और अधिक अस्थिरता की स्थितियों में हस्तक्षेप करता है। पिछले पांच वर्षों में, भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी मुद्रा बाजार में प्रमुख घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी डॉलर की बिक्री/खरीद की है। जिसका विवरण https://data.rbi.org.in/#/dbie/home. आरबीआई की वेबसाइट पर लिंक पर देखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, आरबीआई ने विदेशी मुद्रा अंतर्वाह को बढ़ावा देने के लिए अनेक उपाय किए हैं, जो बदले में विनिमय दर के दबाव को स्थिर कर सकते हैं। इनमें फरवरी 2026 में बाह्य वाणिज्यिक उधार ढांचे का उदारीकरण, सरकारी प्रतिभूतियों के लिए पूरी तरह से सुलभ मार्ग का विस्तार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश ढांचे का उदारीकरण, अनिवासी भारतीयों और भारत के विदेशी नागरिकों के लिए बढ़ी हुई निवेश सीमा, एफसीएनआर(बी) जमाराशियों के लिए स्वैप सुविधाओं की शुरुआत, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों द्वारा बाह्य वाणिज्यिक उधारियां एवं अधिकृत डीलर (एडी) बैंकों द्वारा विदेशी उधारियां और निर्यात प्राप्ति अवधि को नौ महीने तक बहाल करना शामिल है। इसके अलावा, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, मालदीव और मॉरीशस के साथ स्थानीय मुद्रा व्यवस्था पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

***